चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	17.11.26	12	2-6

एचएयू में किसान महिला शक्ति सम्मेलन-2026

राष्ट्र निर्माण, कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं का अहम योगदान : सावित्री जिंदल

■ खेत से चौपाल तक महिला शक्ति की भूमिका पर हुआ मंथन

हरिभूमि ब्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को किसान महिला शक्ति सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया। खेत से चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार विषय पर म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित सम्मेलन में हिसार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि रहीं, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अध्यक्षता की। सम्मेलन में कृषि और ग्रामीण विकास में महिलाओं की भागीदारी, उनके आर्थिक सशक्तिकरण और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने पर मंथन किया गया। सावित्री जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खेलकूद और सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा के दम पर महिलाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं। महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी मजबूत स्तंभ हैं। खेतों में मेहनत करने से लेकर परिवार के प्रबंधन, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन तक उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।



हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक सावित्री जिंदल, कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक अवसर और उचित मंच उपलब्ध करवाकर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। महिला शक्ति को सम्मान और समान अवसर देना समाज व राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि हरियाणा की किसान महिलाएं कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। खेती-किसानी में उनके योगदान को पहचान देने के साथ उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

एग्री टूरिज्म सेंटर का भ्रमण किया

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों को एग्री टूरिज्म सेंटर का भ्रमण करवाया। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और स्टार्टअप की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। मंच पर डॉ. अतुल जैन, संतोष कुमारी और अग्रेज कौर हुड्डा सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. वर्षा सैनी ने धन्यवाद किया और मंच संचालन छात्रा श्वेता ने किया। हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि महिलाएं भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। खेतों में बीज बोने से लेकर फसल की कटाई, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और परिवार के भरण-पोषण तक उनका योगदान अतुलनीय है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वरिष्ठ मीडिया सलाहकार डॉ. मीना कुमारी ने कहा कि महिलाएं कृषि, पशुपालन और ड्रोन दीदी जैसी पहलों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	17.11.26	03	2-6

कृषि के म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में 'खेत तै चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार' विषय पर सजा मंच

घर की चौखट लांघ रची सफलता की कहानी अब दूसरी महिलाओं को भी बना रहीं आत्मनिर्भर

...रण संवाददाता • हिसार : कभी घर चौखट लांघने के लिए भी संघर्ष ...ना पड़ा तो कभी समाज के तानों ...र बंदिशों से जूझना पड़ा। लेकिन ...चुनौतियों के आगे हार मानने के ...जाय महिलाओं ने अपने लिए रास्ते ...ार। किसी ने स्वयं सहायता समूह ...जुड़कर हजारों महिलाओं को ...त्मनिर्भर बनाया तो किसी ने घरेलू ...द्योग और जैविक खेती को अपनाकर ...वार और समाज की सोच बदलने ...काम किया। अब ये महिलाएं खुद ...क सीमित नहीं हैं, बल्कि दूसरी ...हिलाओं को भी आगे बढ़ने की राह ...खा रही हैं। ग्रामीण महिलाओं के ...र्ष, बदलाव और सफलता की ऐसी ...कहानियां हरियाणा कृषि ...श्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित ...सान महिला शक्ति सम्मेलन-2026 ...सुनने को मिलीं।

म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में ...त तै चौपाल तक-किसान महिला ...क्ति अपार' विषय पर आयोजित ...मेलन में गांवों से पहुंचीं महिलाओं ...अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने ...या कि किस तरह सामाजिक ...दशों को तोड़कर उन्होंने अपनी ...चान बनाई और अब दूसरी ...हिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के ...ए प्रेरित कर रही हैं। सम्मेलन में ...ार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की।



म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विधायक सावित्री जिंदल, हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार व अन्य • जागरण


हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित महिलाओं की चौपाल में बोलते हुए मंजु दीक्षित व साथ में अन्य सदस्य व महिलाएं • जागरण

मंच पर हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की वरिष्ठ मीडिया सलाहकार डा. मीना कुमारी, अखिल भारतीय प्रमुख (महिला आयाम) भारतीय किसान संघ जयपुर से मंजु दीक्षित, कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता अंग्रेज कौर हुड्डा तथा दीनदयाल शोध संस्थान के उपाध्यक्ष डा. अतुल जैन उपस्थित रहे।

घर से निकलना था मुश्किल आज 15 हजार महिलाएं जोड़ीं

मगाली की सुमित्रा ने बताया कि करीब 25 साल पहले महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना तक आसान नहीं था। उन्होंने वर्ष 1991 में हेल्पर के तौर पर काम शुरू किया। शुरुआती दौर में परिवार और समाज की चुनौतियों के बीच काम करना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से दूसरी महिलाओं को भी साथ जोड़ना शुरू किया। आज वह करीब 15 हजार महिलाओं को जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही हैं।

कोल्ड ड्रिंक से बिगड़ी तबीयत तो देसी चीजों की ओर लौटी

सदलपुर की अरुणा बिश्नोई ने बताया कि कोल्ड ड्रिंक पीने के कारण उनकी तबीयत खराब हो गई थी। कई डाक्टरों से उपचार कराने के बावजूद उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने घर में उपलब्ध पारंपरिक चीजों के माध्यम से अपना उपचार किया। इस अनुभव के बाद उन्होंने अपने परिवार में कोल्ड ड्रिंक का इस्तेमाल बंद कर दिया।

जेठ की बीमारी के बाद मिली जैविक खेती अपनाने की प्रेरणा

भिवानी की नीता ने बताया कि उनके जेठ बीमार हो गए थे। जब वह ससुराल पहुंचीं तो उनके पति ने भी खेती के काम में उनका साथ दिया। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेती की बारीकियों को समझा और जैविक खेती की शुरुआत की। पहले उनके खेतों में सबसे अधिक डीएपी खाद का इस्तेमाल होता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने रासायनिक खाद का उपयोग कम कर जैविक खेती को बढ़ावा देना शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैविक खेती अपनाने के बाद उनके जेठ की सेहत में भी सुधार होने लगा। अब वह गांव में अन्य किसानों को भी जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं महिलाएं : सावित्री जिंदल

विधायिका सावित्री जिंदल ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खेलकूद, सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी मजबूत स्तंभ हैं। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हरियाणा की किसान महिलाएं कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। खेती-किसानी में उनके योगदान को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	17.11.24	03	2-5

कृषि और ग्रामीण विकास में महिलाओं की भागीदारी को मिलेगी नई पहचान: सावित्री जिंदल

हकृवि में आयोजित हुआ किसान महिला शक्ति सम्मेलन

हिसार, 16 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान महिला शक्ति सम्मेलन 2026 'खेत तै चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार' विषय पर आयोजित किया गया। म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हिसार से विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की। मंच पर हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वरिष्ठ मीडिया सलाहकार डॉ. मीना कुमारी, अखिल भारतीय प्रमुख (महिला आयाम) भारतीय किसान संघ, जयपुर मंजु दीक्षित, कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता अंग्रेज कौर हुड्डा तथा दीन दयाल शोध संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे।

विधायक सावित्री जिंदल ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खेलकूद, सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि



मुख्य अतिथि विधायक सावित्री जिंदल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी मजबूत स्तंभ हैं। खेतों में मेहनत करने से लेकर परिवार के प्रबंधन, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन तक महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, कौशल, आर्थिक क्षेत्र और उचित मंच उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। महिला शक्ति को सम्मान और समान अवसर देना समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हरियाणा की किसान महिलाएं कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। खेती-किसानी में उनके योगदान को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कौशल विकास और आय सृजन के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय लेने, नेतृत्व करने और आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी निभाने के योग्य बनाना है। सम्मेलन में हकृवि के विभिन्न विभागों एवं स्टार्टअप द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। खेतों में बीज बोने से लेकर फसल की कटाई, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और परिवार के भरण-पोषण तक महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को शिक्षित, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सरकारी योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की आवश्यकता है। मंजू दीक्षित ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को पहचानना, महिला किसानों को सशक्त बनाना तथा उन्हें भूमि, तकनीक, प्रशिक्षण और बाजार तक बेहतर पहुंच दिलाना है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मोनिका शर्मा ने सभी का स्वागत किया। मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17-11.26	08	4-8

राष्ट्र निर्माण की मज़बूत नींव हैं महिलाएं : सावित्री जिंदल

हिसार, 16 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान महिला शक्ति सम्मेलन 2026 'खेत तै चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार' विषय पर आयोजित किया गया। म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हिसार से विधायिका सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की। मंच पर हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वरिष्ठ मीडिया सलाहकार डॉ. मीना कुमारी, अखिल भारतीय प्रमुख (महिला आयाम) भारतीय किसान संघ, जयपुर मंजु दीक्षित, कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता अग्रेंज कौर हुड्डा तथा दीन दयाल शोध संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे। विधायिका सावित्री जिंदल ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खेलकूद, सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके राष्ट्रीय ही नहीं



मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि विधायक सावित्री जिंदल, कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज व अन्य अधिकारी।

बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी मजबूत स्तंभ हैं। खेतों में मेहनत करने से लेकर परिवार के प्रबंधन, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन तक महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, कौशल, आर्थिक क्षेत्र और उचित मंच उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। महिला शक्ति को सम्मान और समान अवसर देना समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हरियाणा की किसान महिलाएं कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। खेती-किसानी में उनके योगदान को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कौशल विकास और आय सृजन के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय लेने, नेतृत्व करने और आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी निभाने के योग्य बनाना है। जब किसान महिला आर्थिक रूप से सशक्त होगी तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार, गांव और समाज पर पड़ेगा। कुलपति ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों को एग्री टुरिज्म सेंटर का भ्रमण भी करवाया। सम्मेलन में हकृवि के विभिन्न विभागों एवं स्टार्टअप द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। खेतों में बीज बोने से लेकर फसल की कटाई, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और परिवार के भरण-पोषण तक महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को शिक्षित, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। आज महिलाएं कृषि के साथ-साथ शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सरकारी योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों और स्वरोजगार के अवसरों से जोडने की आवश्यकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.11.26	04	7-8

कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ महिलाएं : सावित्री

एचएयू में किसान महिला शक्ति सम्मेलन आयोजित



एचएयू में मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि सावित्री जिंदल व अन्य अधिकारी।

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान महिला शक्ति सम्मेलन 2026 का आयोजन खेत से चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार विषय पर हुआ। कार्यक्रम में सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि रहीं और विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की।

जिंदल ने कहा कि महिलाएं परिवार के साथ कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ हैं। खेतों में श्रम, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और घरेलू प्रबंधन तक उनका योगदान निर्णायक है, शिक्षा, कौशल और अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कुलपति काम्बोज ने कहा कि किसान महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना जरूरी है। उनके अनुसार सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के जरिए पोषण, स्वास्थ्य, मूल्य संवर्धन और आय सृजन से जुड़े प्रशिक्षण चल रहे हैं।

राज्य महिला आयोग वाइस चेयरमैन मीना परमार ने ग्रामीण महिलाओं को योजनाओं और तकनीकों से जोड़ने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की मीडिया सलाहकार डॉ. मीना कुमारी, जयपुर से मंजू दीक्षित, कैपस स्कूल निदेशिका संतोष कुमारी, डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17.11.26	02	4-6

नारी शक्ति को सम्मान और अवसर देने पर जोर

किसान महिला शक्ति सम्मेलन-2026 में पहुंचीं विधायक जिंदल

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं हैं बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की भी मजबूत स्तंभ हैं। नारी शक्ति को सम्मान और समान अवसर देना समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है।

विधायक चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित किसान महिला शक्ति सम्मेलन-2026 में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित सम्मेलन का विषय 'खेत तै चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार' रहा। जिंदल ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक अवसर और उचित मंच उपलब्ध करवाकर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। महिला शक्ति को सम्मान और समान अवसर देना समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को पहचान देने के साथ उन्हें आधुनिक कृषि [illegible]



एचएयू में आयोजित किसान महिला शक्ति सम्मेलन में मंच पर उपस्थित हिसार विधायक सावित्री जिंदल, एचएयू कुलपति प्रो.बीआर कांबोज व अन्य। फोटो : सम्मान

वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि महिलाएं भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें शिक्षित, आत्मनिर्भर और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना जरूरी है।

इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और स्टार्टअप की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा और डॉ. वर्षा सैनी ने भी विचार रखे। मंच संचालन छात्रा श्वेता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	16.11.2026	--	--

एचएयू में आयोजित हुआ किसान महिला शक्ति सम्मेलन-2026

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान महिला शक्ति सम्मेलन 2026 'खेत से चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार' विषय पर आयोजित किया गया। म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हिसार से विधायिका श्रीमती सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की। मंच पर हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वरिष्ठ मीडिया सलाहकार डॉ. मीना कुमारी, अखिल भारतीय प्रमुख (महिला आयाम) भारतीय किसान संघ, जयपुर मंजु दीक्षित, कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता अर्पेज और हुड्डा तथा दीन दयाल शोध संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे। विधायिका सावित्री जिंदल ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खेलकूद, सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी मजबूत स्तंभ हैं। खेतों में मेहनत करने से लेकर परिवार के प्रबंधन, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन तक महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, कौशल, आर्थिक क्षेत्र और उचित मंच उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर



बनाया जा सकता है। महिला शक्ति को सम्मान और समान अवसर देना समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हरियाणा की किसान महिलाएं कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। खेती-किसानी में उनके योगदान को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय किसान महिलाओं के ज्ञान, कौशल और क्षमता संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कौशल विकास और आय सृजन के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय लेने, नेतृत्व करने और आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी निभाने के योग्य बनाना है। जब किसान महिला आर्थिक रूप से सशक्त होगी तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार, गांव और समाज पर पड़ेगा। कुलपति ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों को एग्री टूरिज्म सेंटर का भ्रमण भी करवाया। सम्मेलन में हकृवि के विभिन्न विभागों एवं स्टार्टअप द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरमैन मीना परमार ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। खेतों में बीज बोने से लेकर फसल की कटाई, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और परिवार के भरण-पोषण तक महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को शिक्षित, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। आज महिलाएं कृषि के साथ-साथ शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सरकारी योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की आवश्यकता है। डॉ. मीना कुमारी ने कहा कि महिलाएं कृषि, पशुपालन, ड्रोन दीदी सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं ने कृषि उत्पादन की बढ़ोतरी में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। मंजु दीक्षित ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को पहचानना, महिला किसानों को सशक्त बनाना तथा उन्हें भूमि, तकनीक, प्रशिक्षण और बाजार तक बेहतर पहुंच दिलाना है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मोनिका शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि किसान महिलाएं खेतों में श्रम करने तक सीमित न रहें, बल्कि कृषि आधारित उद्यमों की संचालक, नवाचार की वाहक और ग्रामीण विकास की नेतृत्वकर्ता भी बनें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सत्र आयोजित किए गए जिनमें कृषि गतिविधियों में महिलाओं की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिका, पारंपरिक भोजन शैली, एफपीओ, एसएचजी और मूल्य संवर्धन में महिलाओं की भूमिका विषय पर प्रतिभागियों के साथ विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. वर्षा सैनी ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा श्वेता ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	17.11.2026	--	--

जागरूकता एचएयू में किसान महिला शक्ति सम्मेलन आयोजित

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत स्तंभ हैं महिलाएं : सावित्री जिंदल

- महिला किसानों को आधुनिक तकनीक व स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर

हिसार, 16 नवंबर (सच कहूं/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को किसान महिला शक्ति सम्मेलन-2026 आयोजित किया गया। 'खेत तै चौपाल तक-किसान महिला शक्ति अपार' थीम पर म्हारी माटी एग्री टूरिज्म सेंटर में आयोजित सम्मेलन में हिसार की विधायिका सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि रहीं, जबकि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की। सावित्री जिंदल ने कहा कि महिलाएं कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत स्तंभ हैं। खेतों में मेहनत, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण और परिवार के प्रबंधन तक उनका योगदान महत्वपूर्ण है। शिक्षा, कौशल और आर्थिक अवसर उपलब्ध करवाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि किसान महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक जानकारी, उद्यमिता और स्वरोजगार से जोड़ना समय की जरूरत है। विश्वविद्यालय सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के माध्यम से महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पोषण, स्वास्थ्य और कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को निर्णय लेने और आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी के योग्य बनाना है। आईसीएआर की वरिष्ठ मीडिया सलाहकार डॉ. मीना कुमारी ने कृषि, पशुपालन और ड्रोन दीदी जैसी पहलों में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। भारतीय किसान संघ की अखिल भारतीय प्रमुख (महिला आयाम) मंजु दीक्षित ने बताया कि वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य महिला किसानों के योगदान को पहचान देना और उन्हें तकनीक, प्रशिक्षण व बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध करवाना है।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सावित्री जिंदल के साथ अन्य अधिकारीगण।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने कहा कि किसान महिलाएं कृषि आधारित उद्यमों की संचालक और ग्रामीण विकास की नेतृत्वकर्ता भी बनें।